ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट में कॅरिअर के अवसर

डॉ. दीपक बी.आसिया

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, जिसे प्रायः संक्षिप्त रूप में ओ.टी. भी कहा जाता है, शारीरिक नियंत्रण या दुबर्लता से ग्रस्त व्यक्तियों को दैनिक जीवन में सक्षम बनाने का एक सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण व्यवसाय है. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट (ओ.टी.) एक ऐसा अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं स्वास्थ्य से जुड़ा व्यवसाय है जो व्यक्तियों को जीवन के प्रत्येक पहलू में सक्रिय होने के लिए आवश्यक कौशल का विकास करने, पुनः प्राप्त करने या उसे बनाए रखने में उनकी सहायता करने के लिए कुशलतापूर्ण उपचार देता है. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट रोगियों को रोगों या चोट से उबारने का उपचार करने का एक शारीरिक या मानसिक, चिकित्सा की दृष्टि से निर्धारित एवं व्यावसायिक रूप से मार्गदर्शित कार्य है. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट अक्षम व्यक्तियों को अभिभावक, कार्यकर्ता और/या छात्र के रूप में अपनी भूमिका एवं दायित्वों को पूरा करने में उनकी सहायता करते हैं. ओ.टी. यह कार्य उपचार पद्धतियों तथा सहायक प्रौद्योगिकी, ऑर्थोटिक्स (स्प्लिंट) तथा पर्यावरणीय संशोधनों के उपयोग के माध्यम से करता है. रोगी थेरेपिस्ट के लिए महत्वपूर्ण होता है. थेरेपिस्ट रोगियों को ठीक करने के लिए उनकी आवश्यकताओं, जरूरतों तथा इच्छा का पता लगाता है और उसके परिवार की सहायता से उसे ठीक करने के अपने लक्ष्य पूरे करता है.

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट रोगी को कार्य में व्यस्त या पुनः व्यस्त करके उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए व्यक्तियों, परिवारों, समूहों और जन–समुदाय के साथ कार्य करते हैं. आक्यूपेशनल थेरेपिस्ट उन सामाजिक तथा पर्यावरणीय तथ्यों के प्रभाव का निर्धारण करने में निरंतर व्यस्त होते जा रहे हैं जो तथ्य वर्जन तथा व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक होते हैं. स्वतंत्र रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ाने के लिए स्व– देखभाल, कार्य तथा खेल गतिविधियों का उपचारात्मक उपयोग विकास को बढ़ाता है और अक्षमता का निवारण करता है. इसमें अत्यधिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और जीवन–स्तर बढ़ाने के लिए कार्य या माहौल को अनुकूल बनाना शामिल है. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट वास्तविकता को स्वाधीन बनाने पर बल देते हैं. जब अक्षमता की सीमा के आधार पर पूर्ण आत्म–निर्भरता नहीं हो पाती, तब ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट रोगियों या ग्राहकों को नीतियों, तकनीकों या अनुकूलता के साथ ठीक करने के लिए उनके साथ कार्य करते हैं, ताकि जहां तक संभव हो सके वे आत्म–निर्भर या स्वावलंबी बन सकें. इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट अपने व्यवसाय का प्रयोग करते हैं. ऑक्यूपेशनल थेरेपी के संदर्भ में व्यवसाय का अर्थ सार्थक कार्य से है.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी व्यक्तियों को उद्देश्यपूर्ण जीवन के लिए आवश्यक जीवन निर्वाह के कार्य करने की कुशलता देती है और संतुष्ट करती है. ऑक्यूपेशनल थेरेपी निम्नलिखित विशिष्ट संकल्पना मॉडलों (मानकों) सेवाओं पर आधारित होती है :

- किसी भी व्यक्ति की दैनिक कार्य–गतिविधियों की क्षमता को बढ़ाने के लिए अनुकूलतम उपचार कार्यक्रम.
- अनुकूल सिफारिशों वाले व्यापक गृह एवं कार्य–स्थल मूल्यांकन.
- कार्य–निष्पादन कौशल निर्धारण एवं उपचार.
- अनुकूल/उपचारात्मक उपकरणों की सिफारिश एवं उपयोग प्रशिक्षण.
- परिवार के सदस्यों तथा देखभाल करने वालों को मार्गदर्शन.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी से लाभ : ऑक्यूपेशनल थेरेपी से विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को लाभ मिल सकता है. इनमें निम्नलिखित से ग्रस्त व्यक्ति शामिल हैं :

- कमर के निचले हिस्से की समस्याओं या निरंतर दबाव की चोटों सहित कार्य से जुड़ी चोट.
- आघात (स्ट्रोक), मस्तिष्क चोट या दिल के दौरे के कारण शारीरिक, संज्ञानात्मक या मनौवैज्ञानिक नियंत्रण की समस्या.
- गठिया, मल्टीपल स्लेरोफिस या अन्य गंभीर पुराना रोग.
- जन्म के समय लगने वाली चोट, अध्ययन समस्या या विकास से जुड़ी अक्षमता.
- मानसिक स्वास्थ्य समस्या, एल्जीमेर, स्किज़ोफ्रेनिया तथा पोस्ट–ट्रॉमाटिक स्ट्रेस.

- सनस्टेंस एब्यूज समस्या या भोजन व्यक्तिक्रम.
- ऑब्सेसिव कम्पलसन या डायग्नोज्ड ओब्सेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डर (ओ.सी.डी.)
- जलने, रीड की हड्डी की चोट या अंगच्छेदन.
- गिरने, खेल की चोटों या दुर्घटनाओं के कारण फ्रैक्चर या अन्य चोट.
- विजुअल, पर्सेप्चुअल या कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट
- विकाससंबंधी अक्षमताएं जैसे ऑटिज्म या सेरेब्रल पल्सी.
- घरेलू मामले.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी के क्षेत्र : ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट व्यापक स्थितियों में कार्य करते हैं, इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- ऑर्थोपीडिक्स (फ्रैक्चर/फाल्स), ओस्टेऑर्थ्राइटिस; रूमाटॉइड आथ्राईटिस.
- **शारीरिक अक्षता मूल्यांकन**
- **हस्त पुनर्स्थापन**
- जलना, नसों की चोट, एम्प्यूटेशन.
- सड़क यातायात दुर्घटना आदि.
- प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोसोइस प्रशिक्षण
- ए.डी.एल. (दैनिक जीवन के कार्य) एवं सहायक उपकरण प्रशिक्षण.

बालरोग विज्ञान/विकासात्मक विकार :

- सेरेब्रल पल्सी, कॉन्जेनिटल डिफोर्मिटीज़, डाउन्स सिंड्रोम
- मेंटल रिटार्डेशन, ऑटिज्म, लर्निंग डिसोर्डर्स, ए.डी.एच.डी;
- सेंसरी इंटीग्रेशन डिसफंक्शन
- स्कूल आधारित ऑक्यूपेशनल थेरेपी.
- अन्य विकास संबंधी अक्षमताएं आदि

कार्डियो–पल्मोनेरी रोग :

- कार्य साधारणीकरण एवं ऊर्जा संरक्षण तकनीकी हृदय रोगी.
- मायोकार्डियल इन्फ्रैक्शन, सी.पी.ओ.डी. आदि.

कम्यूलेटिव ट्रॉमा विकार :

- कार्य साधारणीकरण एवं ऊर्जा संरक्षण तकनीक
- कार्य टनेल सिन्ड्रोम, लो बैक पेन, विकार से जुड़े कार्य.

समुदाय : समुदाय आधारित अभ्यास में व्यक्तियों के साथ अस्पताल के बदले उनके अपने परिवेश/माहौल में कार्य करना शामिल है. इसमें विशेष जन–समुदाय जैसे बेघरबार या जोखिम ग्रस्त जन समुदाय के साथ कार्य करना भी शामिल हो सकता है. **समुदाय आधारित अभ्यास संस्थापना के उदाहरण :**

- स्वास्थ्य संवर्धन एवं जीवन शैली परिवर्तन
- मध्यम देखरेख
- कार्य–स्थल, घर एवं समुदाय मोडिफिकेशन तक पहुंच.
- व्यक्तियों के अपने घर, थेरेपी ले जाना एवं उपकरण उपलब्ध कराना एवं उनके अनुकूल बनाना.
- व्यावसायिक पुनर्स्थापन
- वास्तुकलात्मक अनुकूलन.

तंत्रिका बिकार :

- स्ट्रोक रिहैबीलिटेशन (पेरालिसिस)
- मस्तिष्क चोट एवं ब्रेन ट्यूमर रिहैबीलिटेशन.
- गति विकार (पार्किन्सन डिज़ीज़)
- रीढ़ की हड्डी की चोट का पुनर्स्थापन.
- न्यूरोपैथीज़ एवं मायोपैथीज़ आदि
- मल्टीपल स्लेरोसिस
- ए.डी.एल. (दैनिक जीवन के कार्य) तथा सहायक उपकरण प्रशिक्षण.
- अनुकूल उपकरण प्रशिक्षण
- व्हील चेयर प्रशिक्षण.

जराचिकित्सा (जेरिएटिक्स) :

- एल्झीमर्स रोग डीमेंशिया आदि.
- ए.डी.एल. (दैनिक जीवन के कार्य)बड़े–बूढ़ों को प्रशिक्षण.
- अनुकूल उपकरण प्रशिक्षण
- व्हील चेयर प्रशिक्षण.
- होस्पिसेस (वृद्धाश्रम)

मानसिक स्वास्थ्य

- शिशु एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं (सी.ए.एम.एच.एस.)
- स्क्रिजोफ्रेनिया, प्रोबायस, मूड, एंजाइटि न्यूरोसिस तथा साइकोसोमेटिक तथा वयक्तित्व विकार.
- एल्कोहोलिज्म एवं सबस्टेंस ए ब्यूज.
- कार्य–क्षमता मूल्यांकन.
- मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक (डे केयर सेंटर, हाफ वे होम तथा शेल्टर्ड वर्कशॉप्स).
- साइकेट्रिक रिहैबीलिटेशन कार्यक्रम.
- मानसिक विकार अस्पताल.
- ए.डी.एल. (दैनिक जीवन कार्य) मानसिक रोगियों को प्रशिक्षण.
- फोरेंसिक साइकेट्री.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी दृष्टिकोण : सेवाओं में विशेष रूप से निम्नलिखित शामिल हैं :

- कार्य करने के नए उपायों का अध्यापन.
- कार्यों को, लक्ष्य प्राप्त करने के घटकों में विभाजित कैसे किया जाए अर्थात् किसी मुश्किल भोजन को पकाने जैसे जटिल कार्य को क्रम देना.
- अनुकूल सिफारिशों के साथ घर एवं कार्य–स्थल का व्यापक मूल्यांकन
- कार्य–निष्पादन कौशल निर्धारण एवं उपचार
- अनुकूल उपकरणों की सिफारिश एवं उनके उपयोग का प्रशिक्षण
- बाधाओं को दूर करने या उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए उपकरणों की व्यवस्था सहित पर्यावरण/माहौल अनुकूल बनाना
- परिवार के सदस्यों तथा देखभाल करने वालों का मार्गदर्शन

ऑक्यूपेशनल थेरेपी का उद्देश्य :

- ऑक्यूपेशनल थेरेपी का उद्देश्य प्रत्येक रोगी को कार्य करने में सहायता करना तथा शारीरिक, सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक रूप से एक पूर्ण व्यक्ति के रूप में पुनः कार्य करने में सहायता करना.
- अक्षम या बाधाग्रस्त व्यक्तियों को दैनिक जीवन में भाग लेने के लिए सक्षम बनाना.

- जोड़ों की हलचल, मांसपेशियों की शक्ति तथा उनमें तालमेल बढ़ाने के लिए शारीरिक कार्यों को पुनः प्रारंभ करने के विशिष्ट उपचार.
- दैनिक जीवन के स्व–सहायता कार्यों जैसे भोजन करने, कपड़े पहनने, लिखने, अनुकूल उपकरणों का प्रयोग करने जैसे कार्यों को सिखाना.
- अस्पताल में लम्बी अवधि तक रहने के सकारात्मक उपयोग तथा स्वास्थ्य लाभ के लिए रोगी को समर्थक उपाय के रूप में सहायता करना.
- कार्य–सहनशीलता का विकास करना और रोगी के कार्य की आवश्यकता के रूप में विशेष कौशल का रखरखाव करना
- मनोरोगी में अधिक संतोषजनक संबंधों का विकास करने के अवसर सृजित करना.
- मनोरंजनात्मक तथा व्यावसायिक रुचियों को पुनः जागृत करना.
- रोगी की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं, सामाजिक सामंजस्य, रुचि, कार्य–आदत, कौशल एवं संभावित रोज़गार निर्धारित करने के व्यवसाय– पूर्व सहायता उपलब्ध कराना.
- कार्य करने की दृष्टि से दूसरों पर निर्भर रोगी को कार्य करने के लिए आत्म–निर्भर बनाना.
- घरेलू उपकरणों को अनुकूल बनाने तथा कार्य को सामान्य बनाने के लिए अक्षम गृह–निर्माता को, परामर्श एवं अनुदेश देकर दैनिक गृह–कार्यों से सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करना.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी के लक्ष्य :

- ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट कार्यात्मक आत्मनिर्भरता को वास्तविका में परिणत करते हैं.
- व्यक्तियों की सक्षमता को चुनौती देने वाली बाधाओं का निर्धारण एवं मूल्यांकन करना.
- व्यावसायिक कार्यों को सुसाध्य करने वाले समर्थक घटकों का निर्धारण एवं मूल्यांकन करना.
- बाधाओं को समाप्त या नियंत्रित करने की नीतियों का विकास करना.
- समर्थन को प्रोत्साहन देना.

ऑक्यूपेशनल थेरेपी के अवसर एवं संभावना :

आक्यूपेशनल थेरेपी एक उत्कृष्ट व्यवसाय है जो निम्नलिखित संस्थापनाओं में रोज़गार के विविध आकर्षक अवसर देता है :

- बहुविशेषज्ञता वाले अस्पताल
- पुनर्स्थापन केन्द्र
- विदेश
- गैर–सरकारी संगठन
- चोट ग्रस्त मजदूरों के पुनर्स्थापन उद्योग में
- अधि स्नातकों एवं स्नातकोत्तरों के अध्यापन.
- निजी प्रैक्टिस/निजी क्लीनिक
- जेरिएट्रिक होम्स/वृद्धाश्रम
- मानसिक रोग अस्पताल
- शारीरिक तथा मानसिक विकलांग बाल केन्द्र
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
- स्कूल
- व्यावसायिक स्वास्थ्य केन्द्र

प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम : पाठ्यक्रमों में कक्षा में अध्यापन तथा क्लीनिकों में व्यावहारिक सत्र चलाना शामिल है, जहां छात्र ऑक्यूपेशनल थेरेपी के मूल सिद्धांत एवं अन्य चिकित्सा विषयों जैसे एनाटामी, शरीर विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, रोग विज्ञान/फार्माकोलोजी, सूक्ष्मजीवविज्ञान, मनोविज्ञान, औषधि मनश्चिकित्सा, अस्थिरोग विज्ञान एवं शल्य–चिकित्सा. विभिन्न उपचार तकनीकों, सिद्धातों, संकल्पना का अनुप्रयोग तथा उन्हें विभिन्न चिकित्सा तथा सर्जिकल स्थितियों में कैसे कार्यान्वित किया जाए.

भारत में ऑक्यूपेशनल थेरेपी शिक्षा कार्यक्रम निम्नलिखित द्वारा मान्यताप्राप्त हैं : अखिल भारतीय ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट एसोसिएशन (एआईओटीए) एवं विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट फैडरेशन (डब्ल्यूएफओटी) पूरे भारत में कुल 25 संस्थाएं ऑक्यूपेशनल थेरेपी में अधिस्नातक पाठ्यक्रम चलाती हैं. उनमें से कुछ संस्थाएं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चलाती हैं. आक्यूपेशनल थेरेपी में इन पाठ्यक्रमों को चलाने वाले संस्थानों के अधिक विवरण एआईओटीए की अधिकारिक वेबसाइट **www.aiota.org** पर देख सकते हैं.

स्नातक : बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी (बी.ओ.टी.एच.) (बी.ओ.टी. : 4(वर्षीय (छः महीने की इंटर्नशिप सहित).
प्रवेश के लिए पात्रता : पी.सी.बी. सहित बारहवीं कक्षा के बाद या सम्मिलित प्रवेश परीक्षा.
स्नातकोत्तर : मास्टर ऑफ आक्यूपेशनल थेरेपी (एम.ओ.टी.एच.)/एम.ओ.टी. : 2/3 वर्षीय.
प्रवेश के लिए पात्रता : स्नातक के बाद स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा
स्नातकोत्तर विशेषज्ञता : मस्कुलोस्केटल, न्यूरोलोजिकल, सायकेट्रिक, डेवलपमेंटल (पीडिएट्रिक) कंडीशन्स, हैंड थेरेपी, इंडस्ट्रियल रिहैबीलिटेशन.

लेखक डॉ. दीपक बी. आसिफा सलाहकार न्यूरो. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट हैं तथा ऑक्यूपेशनल थेरेपी स्कूल एंड सेंटर, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर में भूतपूर्व सहायक प्रोफेसर
रह चुके हैं. ई–मेल आई.डी. : ***deepakasia2001@ yahoo.com***